16 / 01 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनूभूति

संतुष्ट आत्मा बन अनेक आत्माओं को इष्ट होने का अनुभव करवाना

➢➢ नज़रों से निहाल करने वाले सर्वशक्तिमान बाप के वरदानी हाथों का सिर पर अनुभव

➳ _ ➳ भृकुटि सिंहासन पर विराजमान मैं एक दानी-वरदानी आत्मा हूँ

→ ज्ञान धन दान देने वाली ज्ञान स्वरूप आत्मा हूँ

■ बाप समान वरदानी मूर्त आत्मा हूँ

➳ _ ➳ शुद्ध संकल्प व शुभ भावना से सर्व शक्तियों का वरदान देने वाली आत्मा हूँ

→ स्वयं के पुरुषार्थ से श्रेष्ठ बनाने वाली आत्मा हूँ

→ बाप से सर्व शक्तियाँ प्राप्त कर विश्वकी सर्व आत्माओं को वरदानों की वर्षा करने वाली आत्मा हूँ

→ मै आत्मा विश्व के स्टेज पर सर्व की इष्ट बन, दर्शनीय मूर्त बन सर्व को संतुष्ट करने वाली संतोषी माँ हूँ

→ मै संतुष्ट मणि आत्मा हूँ

■ मैं आत्मा सारे विश्व में खुशी की और शक्तियों की वर्षा बरसाने वाली आत्मा हूँ

→ मुझ आत्मा से संतुष्टता की किरणें फैल रही हैं

→ विश्व की आत्माएं भी संतुष्ट होती जा रही हैं

➳ _ ➳ अनेक आत्माओं के दिल से आवाज़ निकल रही हैं कमाल हैं कमाल हैं...

→ बाबा आपकी कमाल हैं

→ वाह बाबा वाह

→ शुक्रिया बाबा शुक्रिया

■ वाह रे निमित्त आत्मा वाह

→ हरेक आत्मा मन की डांस कर रही है

→ अतीन्द्रीय सुख बरस रहा हैं

➳ _ ➳ दिल से महिमा के पुष्पों की वर्षा हो रही हैं

→ वरदानों की रिमज़ीम बरस रही हैं

→ दुआओं की बारिश हो रही हैं

→ प्रभु प्यार का नूर बरस रहा हैं

- स्वयं संतुष्ट
- प्रभु संतुष्ट
- सर्व से संतुष्ट

➳ _ ➳ सर्व को संतुष्ट करने वाली आत्मा हूं

→ अनेक आत्माओं की इष्ट बनती जा रही हूँ

→ अष्ट देवता बनती जा रही हूँ

→ संतुष्टता सबसे बड़ा गुण हैं

→ संतुष्टता महा दान हैं

→ संतुष्टता विशेषता हैं

➳ _ ➳ मै संतुष्ट आत्मा हूँ

→ प्रभु प्रिय आत्मा हूँ

→ लोक प्रिय आत्मा हूं

→ स्वयं प्रिय आत्मा हूँ

→ यह संतुष्टता की परख देने वाली सन्तुष्ट आत्मा हूँ

- इष्ट और अष्ट बनने वाली पूजनीय मूर्त हूँ

➳ _ ➳ विश्व कल्याणी, महा वरदानी, संतुष्टता के उच्च आसन पर विराजमान हूँ

→ एक सेकेन्ड के संकल्प अनुभव कराने वाली आत्मा हूँ

→ सर्व शक्तियों का प्रसाद कमजोर और तड़फती आत्माओं को दे प्रसन्न करने वाली आत्मा हूँ

→ विश्व कल्याणकारी बाप मुझे साक्षात्कार मूर्त दर्शनीय बनाते जा रहे हैं

→ मै संतुष्टमणि आत्मा मंदिर में विराजमान हूं

→ सर्व भक्तों की श्रेष्ठ भावनाएं

→ श्रेष्ठ कामनाएं पूर्ण करने वाली संतोषी माँ हूँ

→ इष्ट देव, इष्ट देवी हूं

→ बापदादा के साथ कंबाइंड हूँ

→ सर्वशक्ति सम्पन्न शिवशक्ति हूं

➳ _ ➳ मै शिवशक्ति आत्मा शिव के दिल तख्त पर सदा विराजमान हूँ

→ सर्व आत्माएँ मुझ दर्शनीय आत्मा से संतुष्ट होती जा रही हैं